गरीबी उन्मूलन करने के लिए औद्योगिक क्षेत्र का विस्तार

1967. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :**
श्री राम जठमलानी :

क्या **प्रधान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 29 अप्रैल, 1993 के "हिन्दुस्तान टाइम्स" में "इण्डस्ट्रियल एम्प्लायमेंट की टू पावर्टी रिडक्शन इन इण्डिया" शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि हाल ही में विश्व बैंक के अध्ययन दल द्वारा हाल ही में जारी किए गए एक प्रतिवेदन के अनुसार भारत में गरीबी उन्मूलन औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने मात्र से संभव है;

(ग) यदि हां, तो इसके बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ;

(घ) क्या सरकार ने देश भर में छोटे और बड़े उद्योगों का विस्तार करने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किए हैं, और

(ङ) यदि हां, तो ये लक्ष्य कौन-कौन से हैं और इन लक्ष्यों के अनुसार देश में आठवीं पंचवर्षीय योजना की समाप्ति पर लघु, बड़े और कुटीर उद्योगों में कितने लोगों को नियोजित किए जाने का विचार है ?

उद्योग मंत्रालय (लघु उद्योग और कृषि तथा ग्रामीण उद्योग) में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) सरकार यह मानती है कि प्राथमिक क्षेत्र अकेले सम्पूर्ण कार्यदल को लाभप्रद रोजगार नहीं दे सकती हैं और उद्योग तथा सर्विस सेक्टर में रोजगार के अवसर बढ़ाना जरूरी है। सरकार ने औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नई औद्योगिक तथा व्यापार नीतियों के तहत उद्योग को पर्याप्त रूप से लाइसेंस मुक्त और विनियंत्रित कर दिया है।

(घ) और (ङ) उत्पादन तथा रोजगार के संबंध में आठवीं योजनावधि में ग्रामीण तथा लघु उद्योग क्षेत्र के लक्ष्य इस प्रकार हैं :—

क्र०सं०	तथा उद्योग	गणना इकाई	उत्पादन		रोजगार (व्यक्ति लाख में)	
			1991–92 उपलब्धि	1996–97 लक्ष्य	1991–92 उपलब्धि	1996–97 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7
आधुनिक लघु उद्योग :						
1.	लघु उद्योग	रु० करोड़ में	160000	233436	126.00	150.00
2.	पावरलूम	दश लाख मीटर	11036	15280	53.00	75.00
	कपड़ा	रु० करोड़ में	14378	19907		

1	2	3	4	5	6	7
परंपरागत उद्योग						
3.	खादी वस्त्र	दश लाख मीटर रु० करोड़ में	114 278	160 560	14.61	16.50
4	ग्रामोद्योग	रु० करोड़ में	2150	3760	35.40	46.25
5.	हथकरघा वस्त्र	दश लाख मीटर रु० करोड़ में	5000 4064	7000 5690	106	117
6.	रेशम कीड़ा पालन कच्चा सिल्क	मी० टन रु० करोड़ में	13535 996	21400 1590	54.50	65.00
7.	हस्त शिल्प	रु० करोड़ में	13260	29620	48.25	77.65
8.	कयर फाइबर	लाख मी० टन रु० करोड़ में	2.2 168	2.77 212	5.46	5.84
कुल (वी एस आई)		रु० करोड़ में	195294	294775	443.22	553.74

8वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान बड़े औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार सृजन के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किये गये हैं।

New Industrial policy

1968. SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what are the broad outlines of the new industrial policy announced last year;

(b) tht number and names of the industries included in the said policy for licensing purposes;

(c) whether Government propose to bring changes in the policy and delicence certain industries, and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF HEAVY INDUSTRY) (SMT. KRISHNA SAHI): (a) Details of the new industrial policy are contained in the statement of industrial policy tabled in both the Houses of Parliament on 24th July, 1991.

(b) 18 industries included in Annex-I, and 8 industries included in Annex-II of the statement on industrial policy were subject to licensing in terms of industrial policy announced in July, 1991.

(c) and (d) Review of the policy is a continuing process and necessary changes are made in the context of changed economic scenario. Recently in April, 1993 the following three industries have been de-licenced;